



पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र

FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION

CONSULTATION MEETING FOR DPR PREPARATION FOR YAMUNA REJUVENATION AT AGRA BY FRCER PRAYAGRAJ

A meeting cum workshop organized for briefing the formats of information sought from Uttar Pradesh Forest Department for the preparation of Detailed Project Report for Rejuvenation of Yamuna river through Forestry Interventions on 11th October 2019 at Tourist Bungalow Agra, Uttar Pradesh. In workshop forest officials and field level staff from Agra, Mathura, Firojabad Forest Divisions and Mainpuri Wild Life Forest Division actively participated.

The meeting cum workshop was inaugurated and chaired by Mr. K. Pravin Rao, Additional PCCF, Agra Zone. Mr. Maneesh Mittal DFO, Agra Forest Division and Mr. Mukesh Sharma, DFO Mathura Forest Division, Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj and Dr. Kumud Dubey, Scientist and Nodal Officer for Uttar Pradesh for Yamuna DPR co-chaired the session.

At inception, Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj welcomed the participants and presented a brief overview about various aspects of the formats devised by FRI Dehradun for collection of requisite information for different forestry interventions for preparation of DPR for Yamuna rejuvenation.

Dr. Kumud Dubey, Scientist and Nodal Officer (UP) made a detailed presentation of the project and appraised about the formats viz. Natural Landscapes, Agricultural Landscape, Urban Landscape, Conservation and Extension Strategies.

Mr. Mukesh Sharma, DFO Mathura Forest Division, presented his experiences of Forestry Plantations in Yamuna riparian Zone and Yamuna Khadar Region. Mr. Maneesh Mittal DFO, Agra Forest Division also expressed his views for Forestry interventions.

The technical session was followed by interactive session with active participation of more than 50 forest officials and field staff. The queries and doubts raised by the forest officials regarding the format filling clarified by the scientists from FRCER, Prayagraj.

A time frame was fixed by the Chair person Mr. K. Pravin Rao, Additional PCCF, Agra Zone to assure the completion of field works. The workshop ended with vote of thanks by Dr. Kumud Dubey, Scientist, FRCER, Prayagraj.

GLIMPSES OF MEETING CUM WORKSHOP



हरियाली से कम करेंगे यमुना जल का प्रदूषण

जासं, आगरा: यमुना नदी में शहर के गंदे नाले गिर रहे हैं। यमुना जल में प्रदूषित स्तर को कम करने के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा परियोजना बनाई जा रही है। इसका प्रशिक्षण वन कर्मियों का दिवा जा रहा है। ताकि नदी नालों के पास हरियाली फैलाई जा सके।

वन विभाग की तरफ से सुक्रावर को दिल्ली गेट स्थित गही ट्रिस्ट बंगला में कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें उपर्युक्त में परियोजना की नोडल अधिकारी डॉ. कुमुद दुबे ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि सरकारी और गैर सरकारी भूमि पर वानिकी कार्यों के माध्यम से पौधारोपण किया जाएगा। यमुना नदी और नालों के दोनों ओर पांच किलोमीटर के दायरे को चिन्हित किया जाएगा। जिससे यमुना नदी व उसके आसपास की नहर, नालों के जल में प्रदूषण का स्तर कम किया जा सके। शहर में इन्होंने पार्क विकासित किया जाएगा। इसके लिए वन विभाग अधिकारी परियोजना रिपोर्ट तैयार करेंगे।

अपर प्रधान मुख्यमंत्री वन संरक्षक के प्रवीन राव ने आगरा, मथुरा और फैरोजाबाद के वन विभाग के अधिकारियों द्वारा आपातकाम के बाद पांच वर्ष की

- वन विभाग की शुक्रवार को रही ट्रिस्ट बंगला में हुई कार्यशाला



रही ट्रिस्ट बंगला में आयोजित कार्यशाला में जानकारी देते हैं। उन्होंने सिंह व मंच पर देखें अपर प्रधान मुख्यमंत्री वन संरक्षक के प्रीवीन राव, डॉ. कुमुद दुबे ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि सरकारी और गैर सरकारी भूमि पर वानिकी कार्यों के माध्यम से पौधारोपण किया जाएगा। यमुना नदी और नालों के दोनों ओर पांच किलोमीटर के दायरे को चिन्हित किया जाएगा। जिससे यमुना नदी, नालों के जल में प्रदूषण का स्तर कम किया जा सके। शहर में इन्होंने पार्क विकासित किया जाएगा। इसके लिए वन विभाग अधिकारी परियोजना रिपोर्ट तैयार करेंगे।

अपर प्रधान मुख्यमंत्री वन संरक्षक के प्रवीन राव ने आगरा, मथुरा और फैरोजाबाद के वन विभाग के अधिकारियों द्वारा आपातकाम के बाद पांच वर्ष की

- नदी, नालों के आसपास की भूमि पर किया जाएगा पौधारोपण



रिसर्च इंस्टीट्यूट वन विभाग की वर्कशॉप में बोलते विशेषज्ञ। अस्त्र उमला

बीहड़ में लगाएं बेर-अमरुद, शहर से दूर होंगे बंदर

अमर उजला व्यूरो

आगरा। शहर में कचरे में खाने की तलाश करने वाले बंदरों को यदि बीहड़ या वन क्षेत्र के जंगलों में बेर, अमरुद, गुलर जैसे फल मिल जाएंगे तो वे शहर से दूर हो जाएंगे। नमायिन यमुना योजना में बीहड़ के जंगल, बीहड़ और नदियों के खाद्य में फलदार पौधे लगाने पर जीर दिया जा रहा है, जो आगरा-मथुरा जैसे शहरों में बंदरों की बड़ी समस्या भी दूर कर सकते हैं।

ये सुझाव वन अनुसंधान केंद्र, प्रधानमंत्री के विशेषज्ञ डॉ. संजय मिश्र और डॉ. कुमुद दुबे ने शुक्रवार की नमायिन यमुना प्रोजेक्ट की डीपीआर के लिए हुई वर्कशॉप में दिए। वन अधिकारियों के साथ ट्रिस्ट बंगले में हुई वर्कशॉप में इस दौरान डॉ. कुमुद दुबे ने अनुसंधान केंद्र प्रधानमंत्री के हेड ऑफ डिपार्टमेंट डॉ. संजय सिंह, सामाजिक वानिकी प्रभाग मथुरा के प्रभागीय निदेशक मुकेश शर्मा और सभी एसडीओ उपस्थित रहे।

